

Newspaper Clips April 26, 2016

Hindu ND 26/04/2016

P-8

IITs asked to teach Sanskrit, says Smriti

NEW DELHI: The Indian Institutes of Technology (IITs) have been asked to teach Sanskrit for facilitating the study of science and technology as reflected in its literature, the government informed the Lok Sabha on Monday.

A committee, chaired by the former Chief Election Commissioner, N. Gopalaswami, had recommended in its report that the IITs facilitate the study of science and technology as reflected in Sanskrit literature along with inter-disciplinary study of Sanskrit and modern subjects, Human Resource Development Minister Smriti Irani said in a written reply.

“Accordingly, the IITs have been requested to teach Sanskrit, especially with reference to the study of works which contain scientific knowledge,” she said. — PTI

आईआईटी में अचंभित कर देने वाले

अविष्कार

आ आईआईटी दिल्ली में शनिवार को छात्रों द्वारा ऐसे 500 अविष्कारों की प्रदर्शनी लगाई गई थी, जो पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ-साथ लोगों को दिनचर्या को सहज बनाने में सहयोगी हैं। प्रदर्शनी में छात्रों ने स्मार्ट बोर्ड का भी प्रदर्शन किया। इसका मकसद कागज को बचत करना है। बोर्ड की कीमत 25 हजार रूपए रखी गई है। चार बोर्ड, आईआईटी दिल्ली में भी इस्तेमाल किए जा रहे हैं। प्रोजेक्ट से जुड़े छात्र अनूप ने बताया कि शैक्षणिक संस्थानों में सबसे ज्यादा कागज का प्रयोग होता है। नोटिस लगाने से दोबारा गंदी हो जाती है इन्हीं दिक्कों से बचाने के लिए इस बोर्ड का उपयोग किया जा सकता है।

गौरतलब है कि आईआईटी परिसर में ओपन हाउस के 12वें संस्करण का आयोजन हुआ। इस समारोह में 500 से अधिक शोध परियोजनाएं और 80 डेमो परियोजनाएं पेश की गईं। 'हिप प्रोटेक्टिव डिवाइस', 'लिक्वीफाइड पेट्रोलियम गैस सिलेंडर कैप रिमूवर', 'एनवायरमेंट फ्रेंडली बायो फर्टिलाइजर', 'डायग्राम बुक्स फॉर ब्लाइंड स्टूडेंट' सहित करीब दो दर्जन नए शोध इस 'ओपन हाउस' में पेश किए गए। यहां ऐसे भी शोध प्रस्तुत किए गए, जिसके किसी विशेष तौर पर किसी न किसी एजेंसी द्वारा आईआईटी को गुजारिश भेजी गई थी। ऐसे ही दिल्ली ने आईआईटी से एक विशेष तरह के ड्रोन की डिमांड की थी।

दिल्ली पुलिस की मांग पर बनाया ड्रोन

इंजीनियरिंग फिजिक्स विभाग ने ऐसा ड्रोन तैयार किया है जो 800 फीट की ऊंचाई तक उड़ान भर सकता है। छात्रों का दावा है कि



4000 फीट तक इसे उड़या जा सकता है। इसमें खास किस्म के सेंसर लगे हैं जो कई एंगल से तस्वीरें लेने में सक्षम हैं।

इसे बनाने वाले तन्मय कहते हैं कि यह ड्रोन आसमान से किसी भी सामान को स्कैन करने की क्षमता भी रखता है। कुल 12 ड्रोन बनाए गए हैं। दिल्ली पुलिस की ओर से आईआईटी दिल्ली से ऐसे ड्रोन की मांग की गई है। छात्र ने बताया कि सुरक्षा के लिहाज से ये अब तक के तमाम ड्रोन में सबसे आधुनिक है।

पैडल वाला पंप करेगा खेतों में सिंचाई

तालाब से खेतों की सिंचाई करने के लिए किसानों को डीजल पंप का सहारा लेना पड़ता है जो उनके लिए काफी महंगा पड़ता है। साथ ही प्रदूषण भी होता है। एमटेक, डिजाइन इंजीनियरिंग के दो विद्यार्थियों रोहित कुमार और पवन कुमार तिवारी ने किसानों को इस समस्या को हल करते हुए पैडल और सौर ऊर्जा से चलने वाला पंप तैयार किया है। पवन ने बताया कि यह पंप 30 फीट से पानी खींच सकता है। इसके उपयोग से एक घंटे में दो एकड़ भूमि की सिंचाई की जा सकती है। पवन के मुताबिक पैडल वाले यंत्र को बनाने में करीब 6,000 रुपए का खर्च आता है और अगर इसमें सोलर पैनल लगाए जाएं तो इसकी कीमत 70,000 से ऊपर पहुंच जाएगी।

सौर ऊर्जा से अब मारे जाएंगे मच्छर

एमटेक (डिजाइन इंजीनियरिंग) में पढ़ने वाले सागर दास और अभिरूप सतीश ने मच्छर मारने का एक ऐसा यंत्र विकसित किया है जो सौर ऊर्जा से काम करता है। सागर ने बताया कि शाम के समय अधिक संख्या में मच्छर बाहर निकलते हैं। यंत्र में चीनी और खमीर रखकर कार्बन डाईऑक्साइड पैदा की जाती है, जिससे मच्छर उसकी ओर आकर्षित होते हैं जो की यंत्र में जाकर फंस जाते हैं।

दिन में इस यंत्र को सूरज की रोशनी में रख दिया जाता है और ग्रीन हाउस प्रभाव की वजह से यंत्र का तापमान काफी बढ़ जाता है। इससे उसमें फंस मच्छर मर जाते हैं।

-गणेश पाठक



‘सेप्टिसीमिया’ की पहचान अब आसान

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (अंकुर शुक्ला) : अस्पतालों में मरीजों की मौत का सबसे बड़ा कारण बनने वाला संक्रमण सेप्टिसीमिया की पहचान अब देशी उपकरण के जरिए संभव होगी। इसे आईआईटी दिल्ली और ग्लोबल मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन हैदराबाद के शोधकर्ताओं ने विकसित किया है। उपकरण स्वदेशी है और उपयोग में सस्ता साबित होगा।

दावा किया गया है कि इस उपकरण की मदद से सेप्टिसीमिया का पता (डायग्नोस) तत्काल संभव है। इस उपयोगी डिवाइस को आईआईटी दिल्ली के केमिकल इंजीनियरिंग विभाग में प्रोफेसर शालिनी गुप्ता और हैदराबाद के डॉ. वेंकटरमन श्रीथारन ने विकसित किया है। नया उपकरण कॉलोरिमेट्रिक रैपिड

आईआईटी के संयुक्त प्रयास का नतीजा है उपकरण

कार्ड के जरिए ह्यूमन सीरम में मौजूद इंडोटॉक्सिन के स्तर की जांच करने में सक्षम है। उपकरण को विकसित करने में तीन वर्ष का समय लगा। गत मार्च में इस उपकरण को गांधीयन यंग टेक्नोलॉजी इनोवेशन अवार्ड भी दिया जा चुका है। आईआईटी शोधकर्ताओं की इस उपलब्धी को एनेलेटिकल केमिस्ट्री नाम जर्नल में प्रकाशित किया गया है।

ऐसे करते हैं जांच

इस उपकरण के माध्यम से जांच की प्रक्रिया भी बेहद आसान है। वहीं इसमें समय भी कम लगता है। सबसे



पहले सीरम सैंपल का एक बूंद उपकरण के मेंबरेंस पर डालना होता है, जिसके बाद इंडोटॉक्सिन को छोड़कर उपकरण का मेंबरेंस खून के अन्य घटकों को सोख लेता है। तत्पश्चात इसमें मौजूद दवा इंडोटॉक्सिन को रोक लेता है और उपकरण के मेंबरेंस पर लाल रंग प्रदर्शित हो जाता है।

क्या है सेप्टिसीमिया

सेप्टिसीमिया एक जानलेवा स्थिति है, जिसमें शरीर संक्रमण के कारण अपने

ग्रामीण क्षेत्रों के लिए उपयोगी साबित होगा उपकरण

प्रोफेसर गुप्ता के मुताबिक यह उपकरण ग्रामीण क्षेत्रों के लिए विशेष उपयोगी साबित होगा। ऐसे क्षेत्र जहां स्वास्थ्य सेवाएं स्तरीय नहीं हैं और अत्याधुनिक टेस्ट लैब्स की कमी का सामना किया जा रहा है, ऐसे क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधा और जांच के लिहाज से यह उपकरण समस्या के समाधान की तरह साबित होगा।

मौत की बड़ी वजह है संक्रमण

यहां बता दें कि केवल भारत में ही नहीं बल्कि विश्वभर के अस्पतालों में सेप्टिसीमिया (सेप्टिस) मरीजों की मौत की बड़ी वजह साबित हो रही है। जानकारों के मुताबिक केवल अमेरिका में 2 लाख लोग प्रतिवर्ष सेप्टिस की चपेट में आकर जान गवां देते हैं। इसके अलावा इस संक्रमण को लेकर देश में प्रति वर्ष 10 लाख से अधिक मामले सामने आते हैं। शोधकर्ताओं ने उम्मीद जताई है कि आने वाले वर्ष के अंत तक इस उपकरण का व्यावसायिक प्रयोग संभव हो जाएगा।

ही सेल्स और टिश्यु को क्षतिग्रस्त करने बढ़ना, सांस की गति तेज होना और लगता है। जर्म नेगेटिव सेल वाला इसका भ्रम की स्थिति पैदा होना इसके आम कारण बनता है। बुखार, हृदय की गति लक्षणां के तौर पर उभरते हैं।

इस बार आईआईटी की राह हुई आसान

चार नए संस्थानों से 470 सीटें बढ़ीं

आफताब अजमत

देहरादून। आईआईटी में दाखिले का सपना देख रहे देश के लाखों युवाओं के लिए अच्छी खबर है। इस साल 18 के बजाए 22 आईआईटी में दाखिले का मौका मिलेगा। जेईई एडवांस के ताजा प्रॉस्पेक्टस में इसकी जानकारी दी गई है। इससे आईआईटी की सीटों में 470 से ऊपर का इजाफा हुआ है। 27 अप्रैल को आईआईटी दाखिले की जेईई एडवांस परीक्षा के लिए जेईई मेंस का परिणाम आने जा रहा है।

आईआईटी में दाखिले के लिए इस साल युवाओं को ज्यादा बेहतर मौका मिलेगा। गत वर्ष तक जेईई मेंस से शीर्ष 1.5 लाख अभ्यर्थियों को आईआईटी दाखिले की प्रवेश परीक्षा जेईई एडवांस में बैठने का मौका

परीक्षा केंद्र भी बढ़े

आईआईटी ने नए प्रॉस्पेक्टस में 16 नए शहरों की सूची जारी की है, जिनमें जेईई एडवांस परीक्षा होगी। इनमें गुजरात में भावनगर और भुज, महाराष्ट्र में ओरंगाबाद, कोल्हापुर, नासिक, राजस्थान में नासिक, बारमर, भीलवाड़ा, पालि, टोंक, अलवर, पश्चिम बंगाल में कृष्णनगर, आंध्र प्रदेश में तिरुपति, तेलंगाना में माहुबुबनागा, कर्नाटक में मैसूर, तमिलनाडु में कोयंबटूर, हरियाणा में सोनीपत शामिल हैं।

दिया जाता था। इस बार इनकी संख्या बढ़ाकर दो लाख कर दी गई है। यानी 27 अप्रैल को आने वाले जेईई मेंस रिजल्ट से शीर्ष दो लाख अभ्यर्थियों को जेईई एडवांस का टिकट मिलेगा। दूसरी अच्छी बात यह भी है कि इस साल 18 के बजाए 22 आईआईटी में दाखिले का मौका दिया जाएगा। संशोधित प्रॉस्पेक्टस में आईआईटी

गोवा की 80, आईआईटी छत्तीसगढ़ की 180, आईआईटी जम्मू की 100 और आईआईटी कर्नाटक की 100 सीटों पर भी दाखिला दिया जाएगा। यानी 22 आईआईटी की करीब 9400 सीटों पर इस साल दाखिले का मौका मिलेगा।

आईआईटी, बॉम्बे से साढ़े तीन साल में बीटेक कर सकेंगे छात्र

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मुंबई में इस साल से फास्ट ट्रेक बीटेक कोर्स की शुरुआत हो रही है। इसके अंतर्गत छात्र यह कोर्स चार की बजाय साढ़े तीन वर्ष में पूरा कर सकेंगे। फास्ट ट्रेक कोर्स चुनने वाले छात्रों को अपने क्रेडिट जल्दी पूरे करने होंगे। इसकी शुरुआत तीसरे सेमेस्टर से हो सकती है। अंतिम सेमेस्टर में छात्र इंटरशिप, आंत्रप्रेन्योरशिप या एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत विदेश जाने को स्वतंत्र होंगे। वे हर साल दिसंबर में होने वाली प्लेसमेंट की प्रक्रिया में भी शामिल हो सकेंगे। फिलहाल, यह सुविधा केवल बीटेक छात्रों को दी गई है, लेकिन ड्यूएल डिग्री कोर्स करने वालों को भी इसका फायदा भविष्य में मिल सकता है। इस तरह का कोर्स शुरू करने वाला आईआईटी, बॉम्बे देश का पहला संस्थान है, लेकिन खड़गपुर के आईआईटी संस्थान में भी इसकी तैयारी चल रही है। संभावना है कि 2017-2018 से इसकी शुरुआत हो सकती है।

माइनिंग में छात्राओं को प्रवेश

घनबाद : करीब छह दशक बाद इंडियन स्कूल ऑफ माइंस (आइएसएम) घनबाद में माइनिंग इंजीनियरिंग और माइनिंग मशीनरी ब्रांच में छात्राओं को भी एडमिशन मिलेगा। शैक्षणिक सत्र 2016-17 से आइएसएम इस कोर्स के लिए पहली बार लड़कियों को प्रवेश देगा। जोईई एडवांस के जरिए माइनिंग ब्रांच में छात्राओं को प्रवेश मिलेगा। सिर्फ आइएसएम ही नहीं बल्कि आइआईटी खड़गपुर और आइआईटी बीएचयू में भी माइनिंग ब्रांच में छात्राओं को इसी सत्र से एडमिशन मिलेगा।

आइआईटी कानपुर के 12 छात्रों पर जुर्माना

जागरण संवाददाता, कानपुर : आइआईटी में बैचलर ऑफ साइंस की छात्रा का यौन शोषण करने के मामले में एक छात्र पर कार्रवाई के बाद एक और मामला प्रकाश में आया है। सहपाठी छात्रा पर अशोभनीय टिप्पणी (कमेंट) करने के मामले में एक दर्जन से अधिक छात्रों पर आर्थिक दंड के अलावा अन्य दंड दिए गए हैं।

यौन शोषण के मामले में आइआईटी के महिला प्रकोष्ठ ने हाल ही में एक छात्र को दोषी ठहराया है। प्रकोष्ठ की रिपोर्ट पर आइआईटी प्रबंधन ने छात्र को निष्कासित करने के साथ परीक्षा से वंचित कर दिया है। यह मामला अभी चर्चा में चल ही रहा था कि अब एक छात्रा पर अशोभनीय टिप्पणी का मामला सामने आ गया।

बता दें कि बीते वर्ष 29 अक्टूबर से एक नवंबर तक आइआईटी में वार्षिक महोत्सव

'अंतराग्नि' का आयोजन हुआ था। तब एक छात्रा ने महिला प्रकोष्ठ से शिकायत की थी कि कार्यक्रम के दौरान साथी छात्रों ने उस पर कमेंट पास किया और विरोध करने पर बुरा-भला भी कहा।

सहपाठी छात्रा ने अशोभनीय टिप्पणी का लगाया था आरोप

करीब चार महीने पुराने इस मामले की रिपोर्ट में महिला प्रकोष्ठ ने कई छात्रों को दोषी ठहराया है। सूत्रों के अनुसार इस जांच के बाद 12 छात्रों पर

महिला प्रकोष्ठ ने दस से पंद्रह हजार रुपये का जुर्माना ठोका है। इसके अलावा कुछ अन्य छात्रों को कड़ी चेतावनी देकर छोड़ा है। बताते हैं कि कुछ छात्रों को परिसर में होने वाले सामाजिक कार्य करने का दंड दिया गया है। इस मामले की जांच महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष नंदिनी नीलकंठन ने की थी। इस संबंध में आइआईटी प्रशासन से बात करने की कोशिश की गई, लेकिन संपर्क नहीं हो सका।

Panel to review ranking mechanism of educational institutions

http://www.business-standard.com/article/pti-stories/panel-to-review-ranking-mechanism-of-educational-institutions-116042501178_1.html

To analyse the feedback received regarding its first ever rankings of the country's educational institutions, the Union HRD ministry today constituted a nine member expert committee that would review parameters and suggest improvements.

The Smriti Irani led HRD ministry had earlier this month released rankings of the country's educational institutions and the Committee headed by Secretary Higher Education Vinay Sheel Oberoi would analyse the feedback.

"A lot of feedback is about classification of the institutions. We have to think whether there can be more categories for other disciplines like say law. To look holistically at the entire exercise we have decided to form this panel," a senior official said.

Apart from Oberoi, Prof Surendra Prasad, chairman of National Board of Accreditation, UGC chairman Ved Prakash, AICTE head Anil Sahasrabudhe, Additional Secretary R Subrahmanyam and other senior officials would be a part of the nine member panel.

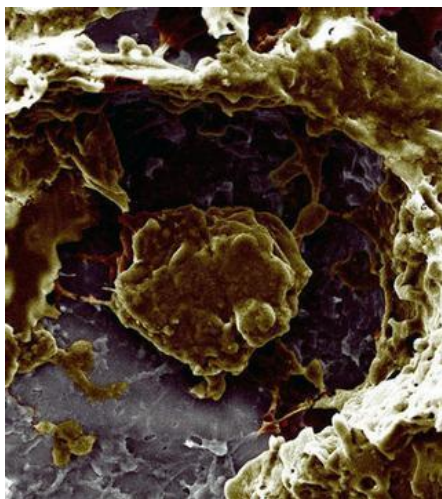
The committee would invite representatives from educational institutions to get a more comprehensive outlook of the issues.

Among the terms of reference for the panel are review of ranking structures, rationalisation of parameters, setting up a National Institutional Ranking Framework (NIRF) cell at NBA and also examine the possibility of loading all data related to educational institutions, on the All India Survey of Higher Education and a parallel website.

"The committee would work so the feedback received after NIRF 2015 can be used to improve the rankings for the next year," the official added.

IISc. experiment could aid drug development to treat cancer

<http://www.thehindu.com/news/cities/bangalore/iisc-experiment-could-aid-drug-development-to-treat-cancer/article8521216.ece>



The IISc. team is trying to mimic the growth of cancer tissues in the lab by engineering cancer tissue

"This is a more realistic model. Since you are testing the drug on a human cell, it is more predictive in what happens in a human trial."

In a move that could aid drug development to fight cancer, a team from the city's Indian Institute of Science (IISc.) is trying to mimic the growth of cancer tissues in the lab by engineering cancer tissue. What they are trying to achieve is a "realistic 3D model tissue," which is likely to help screen the right drug, if not lead to a new one.

The IISc. team's endeavour is a deviation from traditional methods of studying cancer, which is usually done by observing layers of cells grown on a petri dish. Instead, they are growing them on scaffoldings (made out of synthetic material) that allows them to observe how different cells interact with each other and the effect of drugs, which, in the case of cancer treatment, is not felt equally by all cells.

The experiment is being conducted by a group in the Department of Materials and Engineering, led by Assistant Professor Kaushik Chatterjee, in collaboration with Associate Professor Annapoorni Rangarajan's team in the Biological Sciences Department, IISc.

The team has sourced tissues from two to three hospitals in Bengaluru and is at present focussing on breast cancer, Prof. Chatterjee told *The Hindu*. "There are patients with advanced stages of cancer whose breasts have been removed. We are taking the tumour that is removed and thrown away. In a tissue, cells are organised in some sort of three-dimensional architecture. That is what we want to create," he explained.

Results

The team first grew the tissues separately in petri dishes and scaffolds, took them out and injected them into a healthy mice.

It was observed that cells grown on scaffolds have a faster growth rate when compared to those derived from a petri dish. They also spread to other organs throughout the body more quickly.

"They are bigger and more aggressive tumour and start penetrating other tissues. So from the breast, it affects blood and then the lungs," he said.

About the results that such an experiment could yield, Prof. Chatterjee said a lot of money and effort is wasted if a drug tested in a petri dish or on an animal does not yield results on a human.

"This is a more realistic model. Since you are testing the drug on a human cell, it is more predictive in what happens in a human trial," he added.

What next?

Though different groups in the world are conducting similar experiments, meeting different levels of success, the IISc team pegs theirs as being a more "comprehensive model," showing a complex phenomenon.

Gowri Balachander, PhD research scholar in the Centre for Biosystems Science and Engineering, who works in both labs, said the group plans to work with a mix of various cells —like fibroblasts— which secrete protein, or endothelial cells, which line blood vessels, in the future to gauge how cancer cells interact with each other and with other entities surrounding them.

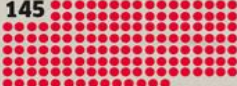
Close connect - IITs and Indian startup boom


<http://timesofindia.indiatimes.com/india/Close-connect-IITs-and-Indian-startup-boom/articleshow/51976937.cms>

IIT Bombay beats all the other IITs as a source of funded online startups in the country. The financial capital's IIT has about 145 funded startups while the recently founded IIT Bhubaneshwar has 44. But, according to experts, since Flipkart's founders are from IIT Delhi, the institute leads the pack by market capitalization.



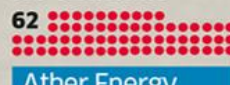
 **STARTUP FOUNDERS**  **TOP STARTUPS**  **FOUNDERS**

IIT Bombay
145 
OLA
Bhavish Aggarwal & Ankit Bhati

IIT Delhi
116 
Flipkart
Sachin Bansal & Binny Bansal

IIT Kanpur
89 
InMobi
Naveen Tewari, Abhay Singhal & Amit Gupta

IIT Kharagpur
76 
Capillary Technologies
Aneesh Reddy, Ajay Modani & Krishna Mehra

IIT Madras
62 
Ather Energy
Tarun Mehta and Swapnil Jain

IIT BHU
44 
ShopClues
Sanjay Sethi

IIT Roorkee
31 
CommonFloor
Sumit Jain & Lalit Mangal

IIT Guwahati
25 
ClearTax
Archit Gupta & Anupam Mediratta



DISCLAIMER:

- Universe includes funded startups only
- Pertains to only startups which primarily operates in the online space
- Mohit Saxena is also one of the cofounders of InMobi. He is a B-Tech graduate from IIT Roorkee



Patna boy gets prestigious US 'Platinum Research Award 2016'

<http://timesofindia.indiatimes.com/city/patna/Patna-boy-gets-prestigious-US-Platinum-Research-Award-2016/articleshow/51967182.cms>

PATNA: A topper of 10th CBSE examination from DPS Patna Ashish Kumar has been awarded the prestigious 'Platinum Research Award 2016' at the university of Colorado at Boulder, USA in the recognition of his outstanding contribution to the department of electrical, computer & energy engineering on April 23. Twenty seven year-old Kumar is doing PhD in Power Electronics at University of Colorado, USA since 2013.

"Today in the morning I received a call from my son from USA about this global prestigious award which is given to only one scholar in the year after going through rigorous multiple tests. I have no words to express my happiness," said an elated father Dr Hemant Kumar a former HoD of nephrology, PMCH & IGIMS.

Talking to TOI on Sunday, Kumar and his wife Renuka Keshari, assistant professor department of Obst & gynae PMCH said: "Ashish never stood second in his entire academic career. We are proud of him. From May 16 he will be doing internship with Apple. He has also got a job offer from Apple after internship".

He has lots of research papers to his credit which he has presented across the world in various international conferences. Ashish Kumar has been an outstanding student since he started his career in the school in Bihar.

In 2005 he was the topper in the 10th CBSE examination in Bihar as well as in Eastern India including Allahabad zone and he was placed third position in the country. He had achieved 97.8% aggregate marks in 10th CBSE 2005 which was highest in Bihar till that year.

Due to his achievement, he was invited by then President late APJ Kalam to see him during Republic day ceremony. Ashish has been National Talent Search Scholar as well as selected for CBSE scholarship also. He chose to accept National Talent search scholarship.

Subsequently he moved to New Delhi to pursue his +2 career at DPS, Vasant Kunj, New Delhi where he achieved first position in CBSE +2 in NCR (in Maths Group) in 2007. In DPS Vasant Kunj he was bestowed with many awards and Ashish was provided a web page in the website of DPS, Vasant Kunj, New Delhi for one complete year with his curriculum vitae.

In the same year (2007) he was selected for IIT, Delhi in the department of electrical stream for B Tech course which he completed in the year 2011. Thereafter he was selected by NTPC through IIT campus placement in 2011.

He worked with NTPC till June 2013 and moved to USA in August 2013 to join PhD course in Power Electronics at Boulder, University of Colorado, USA. He is likely to complete it next year.

In addition to his excellent academic achievements Ashish has been a very good sportsman in Badminton, Table Tennis, Cricket and Football. He was awarded many times in chess championship during his schooling in Patna, New Delhi and during his tenure in IIT Delhi.

‘Flipped classrooms’ find favour with IITB students

<http://paper.hindustantimes.com/epaper/viewer.aspx#>

MUMBAI: The concept of ‘flipped teaching’ introduced by some departments at the Indian Institute of Technology – Bombay (IITB) seems to be working for students. According to the latest issue of the institute’s monthly magazine- Insight, the overall performance of students has improved since the implementation of flipped classrooms. In a flipped classroom, lectures are delivered through video books to be viewed by the students before and after class hours, while the classroom is meant for assignments and hands on learning. The magazine comprehensively reviewed traditional teaching techniques as compared to flipped classrooms through responses of students and professors, keeping in mind the average student’s attention span while in a classroom. The survey indicates that 50% of 253 interviewees prefer flipped classrooms to clear doubts and concepts being taught, while 10% thought this would mean learning beyond classrooms. This study revealed that the performance of an average student improved over the years, especially after the introduction of flipped classrooms. In a class of 56 in the year 2009, the maximum score stood at 79 and the average was about 50. However, the use of flipped classrooms by 2015 showed that in a class size of 96, the maximum marks was 92 and the average was 69. However, some students and professors insist the need for a balance of traditional and new techniques, with 18% were against the idea altogether. “Even though the concept of flipped classrooms has been initiated by several professors on campus, a large part of lectures are also being held in the traditional manner. Both forms have their own loopholes and advantages and the aim has always been to strike a proper balance between traditional teaching methods and technology,” said Soumyo Mukherji, dean student affairs, IITB . While a typical lecture at IITB lasts anywhere between an hour to an hour and a half, the survey showed that the average attention span of a student does not last more than 45 minutes. “Replacing a lecture with interactive discussions in classrooms or in class projects is more engaging than just listening to a professor throughout the class,” said a student.

CEOs among 12 given alumni awards at IIT-M

<http://timesofindia.indiatimes.com/city/chennai/CEOs-among-12-given-alumni-awards-at-IIT-M/articleshow/51986820.cms>

Chennai: They now run technology firms, head multi-national companies, hold top posts in the central government, teach students in foreign universities or conduct research abroad. But all have one thing common: They were students at Indian Institute of Technology Madras.

Twelve IIT-M alumni, who have made a name for themselves in their respective fields, were honoured with the Distinguished Alumnus Awards 2016 at the 57th Institute Day on Monday.

Delivering the chief guest's address, co-founder of Infosys and chairman of Axilor Ventures Kris Gopalakrishnan said institutions like IIT-M could play a major role in building industries that can create job opportunities for the future generation. Himself an IIT-M alumnus, Gopalakrishnan said his days on the campus gave him the confidence to compete with the best. "I walked into IIT-M in 1975 as a 20-year-old. I did assignments with the best and I was taught by faculty, who were doing cutting edge research," he said.

Director Bhaskar Ramamurthi said alumni, foundations and corporates had helped raise a record amount. "We are now expanding the effort to North America as well, where a sizable number of our alumni reside," he said.

Some of the Distinguished Alumnus awardees are D Shivakumar, chairman and CEO, India region, Pepsico India Holdings; Sridhar Vembu, co-founder and CEO of Zoho Corporation; Vaidehi Narayan, professor of molecular immunology,

Beckman Research Institute, California; Ramkumar Dhruva, senior vice-president (monomers division), Asia-Pacific, BASF, Hong Kong; and Chandramouli Visweswariah, director, Smarter Energy Research Institute, New York.

Some of the awardees said the institute played a major role in their lives and careers. While Dhruva recollected how his dream of studying at IIT-M, located in his backyard, came true, Thomas A Kodenkandath, scientist, Hazen Research and Co-Founder, Appil3D, LLC, USA remembered how he continued to hone his skills as a cartoonist even while doing his PhD at the institute.

‘VIT has stolen a march over IISc in presenting papers’

<http://www.thehindu.com/news/national/tamil-nadu/vit-has-stolen-a-march-over-iisc-in-presenting-papers/article8522276.ece>



VIT University Chancellor G. Viswanathan handing over special awards to faculty members during a programme on Monday.

It published 2,233 papers, 18 more than the Bangalore based institute in 2015

In 2015, VIT University overtook Indian Institute of Science (IISc), Bengaluru and Indian Institutes of Technology in the number of research publications. It had published 18 papers more than IISc, according to VIT Chancellor G. Viswanathan.

According to Scopus database, VIT had to its credit 2,233 publications in 2015, while IISc had 2,215 publications. As on April 6, 2016, the university has 455 publications, whereas IISc has 523 publications. Its h-index is 53.

Addressing the gathering at the Research Award-2016, he said, “As a nation, we are lagging behind in research. We have good potential but no State government spends on research, except for a few institutions.

The Central government spends a lot of money on research but this is only for government institutions.”

The Department of Science and Technology, Department of Biotechnology and DRDO were providing funds for both government and private institutions to take up research, he mentioned.

The country was spending one per cent of the GDP on research and this was inadequate when compared with countries such as Korea, United States, Israel and Germany, he added.

He pointed out that universities in China obtained incentives from the government, and had a lot of freedom and autonomy.

“The departments of the Government of India and State government should also take up research as a priority. Teaching and research have become inseparable. They should recognise institutions doing well in research,” he added.

At the programme, research awards were presented to faculty members and research scholars of the university. Mr. Viswanathan said that last year, 931 awards were presented, while 1,151 – 770 faculty and 381 research scholars - were being awarded this year.

Special awards were presented to faculty members, including, Geetha Manivasagam for being number one in India for research publications (2009-2014) in the subject area of material science, while F. Nawaz Khan was also awarded for being ranked third in the country among authors (2009-2014) in Chemistry. Faculty members who have been made Fellows of the Royal Society of Biology, Fellows of Royal Society of Chemistry were also recognized.

Among others, VIT Vice President Sekar Viswanathan and Vice Chancellor Anand A. Samuel were present.

Varsity comes second in e-journal use in country

<http://timesofindia.indiatimes.com/city/kolhapur/Varsity-comes-second-in-e-journal-use-in-country/articleshow/51973742.cms>

Kolhapur: A recent Infonet Digital library consortium (INFLIBNET) report stated that the Shivaji University, Kolhapur (SUK) stands second in use of Nature publications group's (NPG) e-journal usage in the country.

The Jawaharlal Nehru University (JNU) stands third in the usage of the coveted scientific journal.

The University Grants Commission (UGC) provides the INFLIBNET service to universities across the country.

The service offers over 8,000 scientific journals in its network, including the Nature journal.

It also revealed that the number of Nature scientific journal users in the SUK have risen from a mere 34 in 2014 to more than 1,800 in 2015.

Devanand Shinde, SUK's vice-chancellor said that it is a special achievement for the university after having also accomplished first rank in the National Institution Ranking Framework (NIRF) at the state-level last month.

Shinde said that over 3,000 computers are connected via INFLIBNET in the university campus and the service of journals is open 24x7 for the students.

Namita Khot, the university librarian, said that the Cochin University of Science and Technology has won the first prize of the NPG e-journal usage award, followed by the SUK.

She added, Rajendra Kumar, assistant general manager of NPG emailed the university about the feat on April 22.

Khot further said that the university subscribed to 8,643 scientific journals via its own services and the INFLIBNET.

Joint Entrance Examination JEE (Main) 2016 Results to be declared tomorrow

http://zeenews.india.com/news/education/joint-entrance-examination-jee-main-2016-results-to-be-declared-tomorrow_1879663.html

New Delhi: The Joint Entrance Examinations Mains (JEE Main 2016) exam results will be declared by Central Board of Secondary Education (CBSE) on Wednesday.

The (JEE) Main paper I and paper II results were held on on April 3 (offline) and April 9 and 10 (online).

The JEE scores form the basis of admission into NITs, IIITs, other centrally funded technical Institutions.

Candidates who clear the JEE Mains examination are eligible to sit for the JEE advanced for admission in IITs.

Those who had appeared for the for the JEE Main 2016 can check their results on -jeemain.nic.in, cbseresults.nic.in

Around 12 lakh students had appeared for the JEE.